कृषि में तकनीकी नवोन्मेष पर राष्ट्रीय बैठक

नई दिल्ली, 20 मई 2010

ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिए बाजार–मांग आधारित कृषि शोध की आवश्यकता है। इसके लिए क्रियाशील कृषि प्रणाली को आधिकतम उपयोगी, कार्यदक्ष और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। यह कहना है डॉ. के. कस्तूरीरंगन, सदस्य, योजना आयोग का। डॉ. कस्तूरीरंगन कृषि में तकनीक नवोन्मेष विषय पर आयोजित राष्ट्रीय बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण दे रहे थे।

उन्होंने राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना (एनएआईपी) के अंतर्गत कृषि शोध प्रणाली के लिए नवोन्मेष हेतु संयुक्त मंच उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि शोध के तहत उत्पादन, संरक्षण और फसलों के कटाई उपरान्त प्रबंधन के लिए लगातार नई तकनीक उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सलाह दी कि द्वितीयक कृषि के लिए क्रियाशील प्रणाली बनानी होगी और उसमें समयानुसार सुधार करना होगा तभी कृषि का सम्पूर्ण विकास संभव होगा।

इससे पूर्व डॉ. एस. अय्यप्पन, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) ने अपने अध्यक्षीय भाषण में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में मिली सफलताओं और उत्पन्न चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गरीबी, उत्पादकता और मुनाफा ऐसे तीन प्रमुख क्षेत्र हैं जिनपर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। यह पहला मौका है जब भाकृअनुप एनएआईपी के अंतर्गत निजी और स्वयं–सेवी संस्थाओं के साथ भागीदारी कर रहा है।

डॉ. पी. एस. सिद्धू, टास्क टीम लीडर, विश्व बैंक ने एनएआईपी के अंतर्गत उपलब्ध संसाधनों का बेहतरीन प्रयोग करने पर सराहना की। उन्होंने आशा प्रकट की कि विश्व बैंक और भाकृअनुप के बीच की यह साझेदारी भारतीय कृषि को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगी।

डॉ. बंगाली बाबू, राष्ट्रीय निदेशक, एनएआईपी ने परियोजना के लक्ष्यों, प्रमुख बिंदुओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सार्वजनिक अनुसंधान संस्थाओं, किसानों, निजी क्षेत्र और अन्य भागीदारों के बीच सामंजस्य के माध्यम से विकास के बिंदुओं पर जोर दिया।
इस दो दिवसीय (21–22 मई 2010) बैठक का आयोजन एनएआईपी द्वारा किया जा रहा है। एनएआईपी, भाकृअनुप की प्रमुख परियोजना है जिसको विश्व बैंक वित्तपोषित कर रहा है। वर्ष 2006 में लागू यह परियोजना वर्ष 2012 तक लागू रहेगी। तकनीकी सत्रों में परियोजना की उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में परिचर्चा होगी। इसके साथ ही परियोजना को तीव्र गति से लागू करने के लिए सुझाव दिए जाएंगे। इस बैठक में देशभर से आए परियोजना के भागीदार हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर एक तकनीकी नवोन्मेष पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

(Source: NAIP sub project on Mass Media Mobilization, DIPA)